

आचार्य लोट् - आख्या के अर्थ में कर्ता क्रिया करने के लिए आख्या देता है, भालेता है, वहाँ क्रिया के साथ लोट् लकार का प्रयोग होता है। यथा - वह जाये - सः गच्छतु।

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	तु, पठतु	तम्, पठताम्	अन्तु, पठन्तु
मध्यम पुरुष	अ, हि, पठ	तम्, पठतम्	त, पठत
उत्तम पुरुष	आनि, पठानि	आव, पठाव	आम, पठाम
यथा -			
प्रथम पुरुष	वह पढ़े - सः पठतु	वे दोनों पढ़ें	वे सब पढ़ें
		तौ पठताम्	ते पठन्तु
मध्यम पुरुष	तुम पढ़ो	तुम दोनों पढ़ो	तुमलोग पढ़ो
	तुम पठ	तुम पठतम्	तुम पठत
उत्तम पुरुष	मैं पढ़ूँ ?	हम दोनों पढ़ें ?	हमलोग पढ़ें ?
	अहं पठानि ?	आव पठाव ?	आम पठाम ?

3. लट् लकार

भार्य लट् - सामान्य भूत काल के क्रिया के साथ लट् लकार का प्रयोग होता है। यथा - वह गया - सः आगच्छत्।

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	तु, अपठत्	तम्, अपठताम्	अन्तु, अपठन्तु
मध्यम पुरुष	अ, अपठत्	तम्, अपठतम्	त, अपठत
उत्तम पुरुष	अम्, अपठम्	आव, अपठाव	आम, अपठाम
यथा -			
प्रथम पुरुष	उसने पढ़ा	उन दोनों ने पढ़ा	उनलोगों ने पढ़ा
	सः अपठत्	तौ अपठताम्	ते अपठन्तु
मध्यम पुरुष	तुमने पढ़ा	तुम दोनों ने पढ़ा	तुमलोगों ने पढ़ा
	तुम् अपठत्	तुम् अपठतम्	तुम् अपठत
उत्तम पुरुष	मैंने पढ़ा	हम दोनों ने पढ़ा	हमलोगों ने पढ़ा
	अहम् अपठम्	आवम् अपठाव	आमम् अपठाम

भविष्यार्थे लृट् - सामान्य भविष्यत् काल के क्रिया के साथ
 होता है। मथा - वह पढ़ेगा - ए पठिष्यति
 तुम जाओगे - त्वं गमिष्यसि

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष स्थिति, पठिष्यति	स्थतः, पठिष्यतः	स्थन्ति, पठिष्यन्ति
मध्यम पुरुष स्थिति, पठिष्यसि	स्थथः, पठिष्यथः	स्थथ, पठिष्यथ
उत्तम पुरुष स्थिति, पठिष्यामि	स्थावः, पठिष्यावः	स्थामः, पठिष्यामः
मथा - लड़का पढ़ेगा	दो लड़के पढ़ेंगे	लड़कें पढ़ेंगी
बालकः पठिष्यति	बालकौ पठिष्यतः	बालकाः पठिष्यन्ति
म० पु० तुम पढ़ोगे	तुमदोनों पढ़ोगे	तुमलोग पढ़ोगे
त्वं पठिष्यसि	भुवां पठिष्यथः	भूयं पठिष्यथ
उ० पु० मैं पढ़ूंगा	हमदोनों पढ़ेंगे	हमलोग पढ़ेंगे
अहं पठिष्यामि	आवां पठिष्यावः	वामं पठिष्यामः

5. विधिलिङ्

वच्यार्थे विधिलिङ् - 'चाहिए' के अर्थ में विधिलिङ् का प्रयोग होता है, अर्थात् कर्ता को क्रिया करने के लिए सुभाव दिया जाता है, वहाँ क्रिया के साथ विधिलिङ् का प्रयोग होता है।
 मथा - राम को पढ़ना चाहिए - रामः पठेत्

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष एत्, पठेत्	एताम्, पठेताम्	एतुः, पठेयुः
मध्यम पुरुष एः, पठे	एताम्, पठेताम्	एत, पठेन्त
उत्तम पुरुष एताम्, पठेताम्	एव, पठेव	एत, पठेम
मथा -		
प्रथम पु० राम को पढ़ना चाहिए	उमदोनों को पढ़ना चाहिए	उमलोगों को पढ़ना चाहिए
रामः पठेत्	मैं पठेताम्	ने पठेयुः
म० पु० तुम्हें पढ़ना चाहिए	तुमदोनों को पढ़ना चाहिए	तुमलोगों को पढ़ना चाहिए
त्वं पठे	भुवां पठेताम्	भूयं पठेन्त
उ० पु० मुझे पढ़ना चाहिए	हमदोनों को पढ़ना चाहिए	हमलोगों को पढ़ना चाहिए
अहं पठेताम्	आवां पठेव	वामं पठेम